K–183

Total Page No. : 2] **[Roll No. .....**

BAJY-102

B.A. (ज्योतिष) Ist Year Examination
Dec., 2023

जन्म कुण्डली निर्माण

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ईष्टकाल एवं पंक्ति में अन्तर स्पष्ट करते हुए, आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

2. गत एवं जन्मनक्षत्र पर प्रकाश डालते हुए, उपयोगिता पर स्पष्टीकरण दीजिए।

3. स्वकल्पित उदाहरण सहित योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा साधन कीजिए।

4. चलित चक्र पर प्रकाश डालिए।

5. सोदाहरण चन्द्रस्पष्ट विधि का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. चालन किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

2. भयात–भभोग साधन करते हुए, जन्माक्षर स्पष्ट कीजिए।

3. लंकोदय एवं स्वोदयमान का उल्लेख कीजिए।

4. अयंनांश क्यों आवश्यक है ? विधिपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

5. नक्षत्र से दशासाधन कीजिए।

6. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा षष्ठांश–साधन कीजिए।

7. चरखण्ड साधन में पलभा की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

8. ससन्धि द्वादश भाव में फला देश की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

****